News Clipping regarding WADI Programme Implementation in by GVT Banwara that benefitted 500 farmers

बारां भास्कर

अंता ▪ छबड़ा ▪ छीपाबड़ौद मांगरोल ▪ शाहाबाद ▪ किशनगंज

खेती-किसानी

बाड़ी विकास परियोजना के जरिए फल व सब्जी की पैदावार ने किसानों को आय बढ़ने की उम्मीद

2 साल बाद रंग लाई 20 गांवों के 500 किसानों की मेहनत

समीर खान | किशनगंज

क्षेत्र में राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड के सहयोग से जनजाति विकास निधि कार्यक्रम के तहत ग्रामीण विकास ट्रस्ट के माध्यम से ब्लॉक के 20 गांवों के 500 जनजाति किसानों के लिए बाड़ी विकास (फलोद्यान) परियोजना का संचालन किया जा रहा है।

जीवीटी के जिला परियोजना समन्वयक शिम्भू सिंह ने बताया कि नाबार्ड के सहयोग से बाड़ी विकास परियोजना का मई 2013 में शुरू की गई थी। इसके तहत जनजाति के लोगों का चयन कर उनके खाते की जमीन में विभिन्न प्रजाति के पौधे रोपकर बाड़ी लगाई गई। अब बाड़ी योजना के तहत विकसित किए गए बाग ग्रामीण जनजाति के परिवारों के लिए खेती के साथ-साथ अतिरिक्त आय का साधन बनकर सामने आ रहे हैं। कार्यक्रम में किसान फलदार पौधों के साथ सब्जी लगाकर भी आय बढ़ा रहे हैं। योजना में शामिल सोडाना निवासी किसान गोकरी लाल एवं सत्यनारायण मीणा के खेत पर सितंबर 2013 में 25-25 अमरूद एवं 15-15 नींबू के पौधे लगाए गए थे। अब दो साल बाद पेड़ों में अमरूद की फसल आने लगी है। किसान सत्यनाराण ने बताया कि 25 अमरूद के पौधों से उसे पहली बार में करीब छह हजार रुपए का मुनाफा मिलने की उम्मीद है। गोकरीलाल ने बताया कि फलदार पौधे लगाना लाभ का सौदा बन रहा है।

किशनगंज. सोडाना में स्थित अमरूद के बाग में पहली बार फल उत्पादन पर खुशी जताते किसान।

सब्जी की पैदावार से भी हो रही आय

सिंह ने बताया कि किसानों को सरकार कि अन्य योजनाओं से भी जोड़ा जा रहा है। [illegible]